IJMRSETM

e-ISSN: 2395 - 7639

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH

IN SCIENCE, ENGINEERING, TECHNOLOGY AND MANAGEMENT

Volume 8, Issue 5, May 2021

INTERNATIONAL
STANDARD
SERIAL
NUMBER
INDIA

Impact Factor: 7.580

+91 99405 72462 +9163819 07438 ijmrsetm@gmail.com www.ijmrsetm.com

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering, Technology & Management (IJMRSETM)

| ISSN: 2395-7639| www.ijmrset.com| Impact Factor: 7.580 | A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

|| Volume 8, Issue 5, May 2021 ||

|DOI:10.15680/IJMRSETM.2021.0805007|

भारत में मानव विकास

Nidhi Verma

Assistant Professor in Economics, SNKP Govt. College, Neem Ka Thana, Sikar, Rajasthan, India

सार

यह चिंताजनक है कि मानव विकास सूचकांक (HDI) में भारत अपने खराब प्रदर्शन के कारण पिछड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार साल 2020 के मानव विकास सूचकांक में भारत 189 देशों में 131वें स्थान पर है। पिछले साल भारत इसमें 129वें स्थान पर था यानी इस साल भारत दो पायदान नीचे खिसक गया है। HDI किसी राष्ट्र में स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर का मापन है। मानव विकास सूचकांक की सूची में नॉर्वे सबसे ऊपर है, इसके बाद आयरलैंड, स्विट्जरलैंड, हांगकांग और आइसलैंड जैसे देशों के नाम शामिल हैं। दरअसल मानव विकास सूचकांक हमें यह बताता है कि किसी देश में लोगों की स्वास्थ्य और शिक्षा तक पहुंच कितनी है, उनका जीवन स्तर कैसा है। यह इंडेक्स अर्थशास्त्री डॉ. अमर्त्य सेन की मानवीय क्षमता की अवधारणा पर आधारित है। सेन का मानना था कि क्या लोग अपने जीवन में बुनियादी चीजों जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य और समुचित जीवन स्तर को पाने में सक्षम हैं। मानव विकास सूचकांक भी इन्हीं बिंदुओं पर आधारित है। इसके तीन प्रमुख बिंदु हैं, जिसके आधार पर इस इंडेक्स का निर्माण किया जाता है। पहला है जन्म के समय जीवन प्रत्याशा, दूसरा है संभावित स्कूली शिक्षा, तीसरा महत्वपूर्ण बिंदु पीपीपी आधार पर प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय है। रोटी, कपड़ा और मकान के अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छ हवा, अच्छी सड़कें, सूचना का अधिकार, रोजगार आदि जीवन की अनिवार्य आवश्यकताएं हैं। जिस देश में प्रत्येक नागरिक को इन सभी सुविधाओं का लाभ मिलता है, जाहिर है वह देश उन्नत होगा।

परिचय

अब सवाल यह है कि दुनिया में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाले देश भारत का मानव विकास सूचकांक इतना कमजोर क्यों है कि वह सौ देशों में भी शामिल नहीं है? सार्वभौमिक सत्य है कि जिस देश की शिक्षा-स्वास्थ्य की स्थिति बेहतर होती है, वहां लोगों की कार्यक्षमता भी ज्यादा होती है। भारत की आधी आबादी से ज्यादा तो ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, उसको पर्याप्त मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। अब सवाल है कि ऐसा क्या किया जाए कि देश के हर नागरिक को हर सुविधा उपलब्ध हो और मानव विकास सूचकांक में भी हम बेहतर पायदान पर आ सकें।[1,2] यह इतना आसान नहीं है। इसके लिए मार्केट इकोनॉमी का मॉडल बदलना पड़ेगा। इसके अलावा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में सार्वजनिक निवेश में भारी वृद्धि करनी होगी। मानव विकास सूचकांक एक सांख्यिकीय तरीका है, जिसका उपयोग किसी देश में रहने वाले लोगों के सामाजिक और आर्थिक विकास को मापने में किया जाता है. यह एक देश की शिक्षा, स्वास्थ्य, आय और जीवन स्तर की स्थिति को बताता है.30 सालों में ऐसा पहली बार हुआ है, जब भारत ने लगातार दो वर्षों में मानव विकास सूचकांक में गिरावट दर्ज कराई है. सूचकांक में इस गिरावट के कारण भारत को मानव विकास की मध्यम श्रेणी में रखा गया है. इस साल की रिपोर्ट में स्विट्जरलैंड पहले स्थान पर रहा.[3,4]

आज के एनएल सारांश में हम मानव विकास सूचकांक की रिपोर्ट पर बात करेंगे, और जानेंगे कि भारत के संदर्भ में इस रिपोर्ट के क्या मायने हैं. साथ ही यह भी देखेंगे कि वैश्विक स्तर पर मानव विकास की क्या स्थिति है.

विचार-विमर्श

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत और मेक इन इंडिया जैसी योजना के कारण मानव विकास रैंकिंग में भारत ने एक स्थान सुधार किया है। मानव विकास सूचकांक में 189 देशों के बीच भारत ने 130वीं रैंक हासिल की है। भारत ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स (एचडीआई) 2017 में भारत का मूल्य 0.640 है। यूनाइटेड नेशंस डेवलपमेंट प्रोग्राम (यूएनडीपी) इंडिया के कंट्री निदेशक फ्रांसिन पिकअप ने कहा, 'स्वास्थ्य देखभाल और स्कूली शिक्षा में सुधार होने के कारण भारत की रैंकिंग बढ़ी है। यूएनडीपी ने ये आंकड़े शुक्रवार को जारी किए हैं। भारत में 190 से 2017 तक एचडीआई वैल्यू 0.427 से बढ़कर 0.640 हो गई है। लिस्ट में पाकिस्तान 150वें और बांग्लादेश 136वे नंबर पर है। भारत की वैल्यू में तकरीबन 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक 1990 से 2017 के बीच भारत की सकल राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति आय 266.6 प्रतिशत बढ़ गई है। इसके बावजूद असमानतओं के कारण 26.8 प्रतिशत मूल्य कम हो जाता है। देखा जाए तो यह नुकसान दक्षिण एशियाई देशों में सबसे ज्यादा है। केंद्र और राज्य सरकारों ने आर्थिक विकास का लाभ बड़े स्तर पर साझा करने का प्रयास किया है।[5,6]

| ISSN: 2395-7639| www.ijmrset.com| Impact Factor: 7.580 | A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

|| Volume 8, Issue 5, May 2021 ||

|DOI:10.15680/IJMRSETM.2021.0805007|

कई स्तर पर प्रगति होने का बाद भी भारत में पुरुषों की तुलना में कम सशक्त हैं। आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक रूप से भी महिलाएं पुरुषों के बराबर नहीं हो पाई हैं। भारत में महिलाओं के पास केवल 11.6 प्रतिशत संसदीय सीटें हैं। देश में 39 प्रतिशथ वयस्क महिलाएं हीं माध्यमिक स्तर तक पहुंच पाती हैं, ज बकि पुरुषों की तादाद 64 प्रतिशत है। महिलाओं की भागीदारी श्रम के क्षेत्र में भी पुरुषों से कम है। सिर्फ 27.2 प्रतिशत महिलाएं ही श्रम के क्षेत्र में काम कर रही हैं, जबकि पुरुषों का कब्जा 78.8 प्रतिशत पर है। हालांकि, भारत की स्थिति अपने पड़ोसी देशों से बेहतर है। लिंग असमानता सूचकांक में भारत का नंबर 160 देशों की लिस्ट में 127वां है।[7,8]

फ्रांसिन पिकअप ने बताया कि और कई ऐसे क्षेत्र हैं, जिस पर भारत को ध्यान देने की जरूरत है। इसमें पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति लचीलापन भी शामिल है। बता दें कि इस लिस्ट में 0.95 अंक के साथ नॉर्वे नंबर वन पर है। लिस्ट में दक्षिण अफ्रीका का देश नाइजर 0.35 अंकों के साथ सबसे आखिर पर है। मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) जीवन प्रत्याशा, शिक्षा (शिक्षा प्रणाली में प्रवेश करने पर स्कूली शिक्षा के पूरे वर्ष और स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष), और प्रति व्यक्ति आय संकेतक का एक सांख्यिकीय समग्र सूचकांक है, जिसका उपयोग देशों को मानव विकास के चार स्तरों में क्रमबद्ध करने के लिए किया जाता है। एक देश उच्च स्तर का एचडीआई स्कोर करता है जब जीवनकाल अधिक होता है, शिक्षा का स्तर अधिक होता है, और प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (पीपीपी) अधिक होती है। इसे पाकिस्तानी अर्थशास्त्री महबूब उल हक द्वारा विकसित किया गया था और इसका उपयोग संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय द्वारा देश के विकास को मापने के लिए किया गया था।[9,10]

सूचकांक मानव विकास दृष्टिकोण पर आधारित है, जिसे महबूब उल हक द्वारा विकसित किया गया है, जो मानव क्षमताओं पर अमर्त्य सेन के काम में सहायक हुए हैं, जिसे अक्सर इस संदर्भ में तैयार किया जाता है कि क्या लोग जीवन में वांछनीय चीजों को "होने" और "करने" में सक्षम हैं। उदाहरणों में शामिल हैं - होना: अच्छी तरह से खिलाया, आश्रय, स्वस्थ; करना: कार्य, शिक्षा, मतदान, सामुदायिक जीवन में भाग लेना। पसंद की स्वतंत्रता केंद्रीय है - कोई व्यक्ति जो भूखा रहना पसंद करता है (जैसे कि धार्मिक उपवास के दौरान) भूखे रहने वाले व्यक्ति से काफी अलग होता है क्योंकि वे भोजन नहीं खरीद सकते हैं, या क्योंकि देश में अकाल है।[11]

परिणाम

एचडीआई की के अंश संयुकत राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय द्वारा उत्पादित वार्षिक मानव विकास रिपोर्ट में सम्मलित हैं। जिसे 1990 में पाकिस्तानी अर्थशास्त्री महबूब उल हक द्वारा तैयार किए गया और सम्मलित किया गया था। उनका उद्देश्य "विकास अर्थशास्त्र का केंद्र-बिंदु, राष्ट्रीय आय लेखा से मानव-केन्द्रित नीतियों पर स्थानांतरित करना था। मानव विकास रिपोर्ट तैयार करने के लिए, महबूब उल हक ने पॉल स्ट्रीटन, शशांक जायसवाल, फ्रैन्सस स्टीवर्ट, गुस्ताव रानीस, कीथ ग्रिफिन, सुधीर आनंद और मेघनाद देसाई सहित विकास अर्थशास्त्रियों के एक समूह का गठन किया। नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ने मानव क्षमताओं पर अपने काम में हक के काम का इस्तेमाल किया। हक का मानना था कि सार्वजनिक विकास को, शिक्षाविदों और राजनेताओं को समझाने के लिए मानव विकास के लिए एक सरल समग्र उपाय की आवश्यकता थी, जिसे न केवल आर्थिक विकास बल्कि उसके साथ-साथ मानव कल्याण में भी सुधार के विकास का मूल्यांकन करना चाहिए।[17,18]

मानव विकास सूचकांक (ह्यूमन डिवेलपमेंट इंडेक्स, एचडीआई) एक समग्र सूचकांक है जो स्वास्थ्य (जीवन प्रत्यशा दर), शिक्षा (स्कूल जाने के सम्भावित वर्ष), और जीवन स्तर (प्रति व्यक्ति आय) को ध्यान में रखता है।[12,13]

2008 में भारत के लिए राष्ट्रीय औसत HDI 0.467 था।[1] 2010 तक, इसका औसत HDI 0.519 तक बढ़ गया था।[2][3] 1990 के बाद से मानव विकास सूचकांक पद्धति के प्रायोजक UNDP ने 2012 के लिए भारत के HDI को 0.554,[4] अपने 2008 HDI पर 18% वृद्धि की सूचना दी। संयुक्त राष्ट्र ने 2014 में भारत के एचडीआई को 0.586 घोषित किया,[5] 2012 के मुकाबले 5.77% की वृद्धि। वर्ष 2018 के लिए, भारत के लिए एचडीआई 0.647 था।

एचडीआई की गणना करने के कई तरीके हैं, और गणना का आधार डेटा और मान्यताओं के प्रति संवेदनशील है। एक अन्य दृष्टिकोण अपनाते हुए, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रमकी भारत शाखा (यूएनडीपी इंडिया) और भारत सरकारने 2006 में HDI को राष्ट्रव्यापी औसत 0.605 माना।[11] यह डेटा भारत सरकार द्वारा प्रकाशित किया गया था।[12] ध्यान दें कि नीचे दी गई तालिका में 2007-2008 के एचडीआई मान आय पर नहीं (जैसा कि वैश्विक तुलना के लिए यूएनडीपी मानक होता है), [16] बल्कि अनुमानित खपत व्यय पर आधारित हैं। इस धारणा के कारण एचडीआई वास्तविक की तुलना में कम आता है।[13] इसके अलावा, निम्नलिखित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए डेटा उपलब्ध नहीं था: चंडीगढ़, लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दमन और दीव, पुडुचेरी और दादरा और नागर हवेली।[14,15]

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering, Technology & Management (IJMRSETM)

| ISSN: 2395-7639| www.ijmrset.com| Impact Factor: 7.580 | A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

|| Volume 8, Issue 5, May 2021 ||

|DOI:10.15680/IJMRSETM.2021.0805007|

निष्कर्ष

1995 से भारतीय राज्यों का मानव विकास सूचकांक (संयुक्त राष्ट्र विधि द्वारा की गई गणना के अनुसार)। [10]

रैंक	राज्य/केन्द्र-शासित प्रदेश	HDI 1995	HDI 2000	HDI 2005	HDI 2010	HDI 2015	HDI 2018	1995–2018 में बढ़त
1	केरल	0.562	0.610	0.694	0.732	0.770	0.784	▲ 0.222
UT1	चण्डीगढ़	0.607	0.642	0.670	0.658	0.739	0.774	▲ 0.167
2	गोवा	0.579	0.623	0.684	0.751	0.763	0.764	▲ 0.185
UT2	लक्षद्वीप	0.669	0.711	0.739	0.729	0.738	0.749	▲ 0.080
UT3	दिल्ली	0.630	0.673	0.700	0.718	0.734	0.744	▲ 0.114
UT4	अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह	0.663	0.704	0.732	0.722	0.731	0.742	▲ 0.079
UT5	पुदुच्चेरी	0.694	0.738	0.767	0.756	0.737	0.739	▲ 0.045
3	पंजाब	0.547	0.582	0.620	0.664	0.706	0.721	▲ 0.174
4	हिमाचल प्रदेश	0.557	0.596	0.653	0.675	0.706	0.720	▲ 0.163
5	सिक्किम	0.515	0.549	0.598	0.643	0.696	0.716	▲ 0.201
6	तमिल नाडु	0.507	0.546	0.605	0.655	0.694	0.708	▲ 0.201
UT6	दमन और दीव	0.628	0.669	0.695	0.686	0.695	0.706	▲ 0.078

| ISSN: 2395-7639| www.ijmrset.com| Impact Factor: 7.580 | A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

|| Volume 8, Issue 5, May 2021 ||

|DOI:10.15680/IJMRSETM.2021.0805007|

रैंक	राज्य/केन्द्र-शासित प्रदेश	HDI 1995	HDI 2000	HDI 2005	HDI 2010	HDI 2015	HDI 2018	1995–2018 में बढ़त
7	हरियाणा	0.515	0.550	0.594	0.639	0.687	0.704	▲ 0.189
8	मिज़ोरम	0.532	0.574	0.637	0.694	0.697	0.697	▲ 0.165
9	महाराष्ट्र	0.523	0.561	0.607	0.651	0.683	0.695	▲ 0.172
10	मणिपुर	0.525	0.563	0.603	0.691	0.699	0.695	▲ 0.170
11	जम्मू और कश्मीर	0.493	0.530	0.591	0.646	0.675	0.684	▲ 0.191
12	कर्नाटक	0.481	0.517	0.567	0.610	0.662	0.682	▲ 0.201
13	उत्तराखण्ड	0.594	0.627	0.655	0.643	0.662	0.677	▲ 0.083
14	नागालैण्ड	0.491	0.524	0.558	0.666	0.681	0.676	▲ 0.185
15	गुजरात	0.489	0.526	0.573	0.608	0.651	0.667	▲ 0.178
16	तेलंगाना	0.593	0.628	0.655	0.643	0.651	0.664	▲ 0.071
UT7	दादरा और नगर हवेली	0.645	0.686	0.714	0.704	0.665	0.661	▲ 0.016
17	अरुणाचल प्रदेश	0.471	0.501	0.531	0.639	0.661	0.658	▲ 0.187
18	त्रिपुरा	0.499	0.532	0.561	0.613	0.645	0.655	▲ 0.156

| ISSN: 2395-7639| www.ijmrset.com| Impact Factor: 7.580 | A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

|| Volume 8, Issue 5, May 2021 ||

|DOI:10.15680/IJMRSETM.2021.0805007|

रैंक	राज्य/केन्द्र-शासित प्रदेश	HDI 1995	HDI 2000	HDI 2005	HDI 2010	HDI 2015	HDI 2018	1995–2018 में बढ़त
19	मेघालय	0.435	0.470	0.531	0.621	0.648	0.650	▲ 0.215
20	आन्ध्र प्रदेश	0.443	0.476	0.529	0.581	0.627	0.643	▲ 0.200
21	पश्चिम बंगाल	0.474	0.506	0.540	0.576	0.620	0.637	▲ 0.163
22	राजस्थान	0.432	0.462	0.505	0.547	0.601	0.621	▲ 0.189
23	असम	0.453	0.486	0.527	0.565	0.593	0.605	▲ 0.152
24	छत्तीसगढ़	0.525	0.555	0.581	0.570	0.586	0.600	▲ 0.075
25	ओडिशा	0.422	0.452	0.489	0.533	0.580	0.597	▲ 0.175
26	मध्य प्रदेश	0.419	0.450	0.493	0.533	0.577	0.594	▲ 0.175
27	झारखण्ड	0.557	0.557	0.583	0.572	0.578	0.589	▲ 0.032
28	उत्तर प्रदेश	0.423	0.454	0.496	0.529	0.566	0.583	▲ 0.160
29	बिहार	0.401	0.430	0.464	0.511	0.551	0.566	▲ 0.165
	भारत	0.460	0.493	0.536	0.581	0.624	0.640	▲ 0.180

| ISSN: 2395-7639| www.ijmrset.com| Impact Factor: 7.580 | A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

|| Volume 8, Issue 5, May 2021 ||

|DOI:10.15680/IJMRSETM.2021.0805007|

संदर्भ

1. "India Human Development Report 2011 (Towards Social Inclusion)" (PDF). IAMR, Planning Commission, Government of India. पृ° 257. मूल (PDF) से 5 March 2016 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 5 April 2014.
2. ↑ "Selected Socio-Economic Statistics India, 2011" (PDF). Ministry of Statistics and Programme Implementation, Government of India. October 2011. Table 11.1, page 165. मूल (PDF) से 3 March 2016 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 24 January 2015.
3. ↑ "India Human Development Report 2011 (Towards Social Inclusion)" (PDF). IAMR, Planning Commission, Government of India. पृ° 17. मूल (PDF) से 5 March 2016 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 2 July 2014.
4. ↑ Human Development Report 2013 Archived 2014-07-25 at the Wayback Machine UNDP, page 64, Tabel 3.1
5. ↑ "Human Development Report 2014 – Sustaining Human Progress: Reducing Vulnerabilities and Building Resilience". United Nations Development Programme. मूल से 27 जुलाई 2014 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 24 January 2016.
6. ↑ "India slips in human development index". thehindu.com. मूल से 21 मार्च 2017 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 14 September 2017.
7. ↑ "Sub-national HDI - Area Database - Global Data Lab". hdi.globaldatalab.org (अंग्रेज़ी में). मूल से 23 सितंबर 2018 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 2018-10-24.
8. ↑ "| Human Development Reports" (PDF). hdr.undp.org. मूल से 12 फ़रवरी 2019 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 2019-02-16.
9. ↑ "Sub-national HDI - Area Database - Global Data Lab". hdi.globaldatalab.org (अंग्रेज़ी में). मूल से 23 सितंबर 2018 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 2018-10-24.
10. ↑ "Sub-national HDI - Area Database - Global Data Lab". hdi.globaldatalab.org (अंग्रेज़ी में). मूल से 23 सितंबर 2018 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 2018-10-24.
11. ↑ Gendering Human Development Indices Archived 2014-12-01 at the Wayback Machine, Ministry of Women and Child Development, Govt of India with UNDP India (2009)
12. ↑ "India Human Development Report 2011 (Towards Social Inclusion)" (PDF). IAMR, Planning Commission, Government of India. पृ° 257. मूल (PDF) से 5 March 2016 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 5 April 2014.
13. ↑ "India Human Development Report 2011 (Towards Social Inclusion)" (PDF). IAMR, Planning Commission, Government of India. पृ° 24. मूल (PDF) से 5 March 2016 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 2 July 2014.
14. ↑ "Meghalaya Human Development Report 2008" (PDF). पृ° 23. मूल (PDF) से 3 मार्च 2016 को पुरालेखित.
15. ↑ "General Reports: Planning Commission, Government of India". planningcommission.nic.in. मूल से 4 मार्च 2016 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 24 January 2016.
16. ↑ "India Human Development Report 2011 (Towards Social Inclusion) – Summary" (PDF). IAMR, Planning Commission, Government of India. पृ° 2. मूल (PDF) से 21 अक्तूबर 2013 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 27 October 2014.
17. ↑ "Gendering Human Development Indices" (PDF). Ministry of Women and Child Development, Government of India with UNDP India. March 2009. मूल (PDF) से 1 दिसंबर 2014 को पुरालेखित.
18. ↑ "India Human Development Report 2011 (Towards Social Inclusion)" (PDF). IAMR, Planning Commission, Government of India. पृ° 257. मूल (PDF) से 5 March 2016 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 5 April 2014.

INNO SPACE
SJIF Scientific Journal Impact Factor
Impact Factor: 7.580

doi
crossref

निस्केयर
NISCAIR

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH
IN SCIENCE, ENGINEERING, TECHNOLOGY AND MANAGEMENT

+91 99405 72462 +91 63819 07438 ijmrsetm@gmail.com

www.ijmrsetm.com